

सतत विकास के सूचकांक में यूपी की छलांग

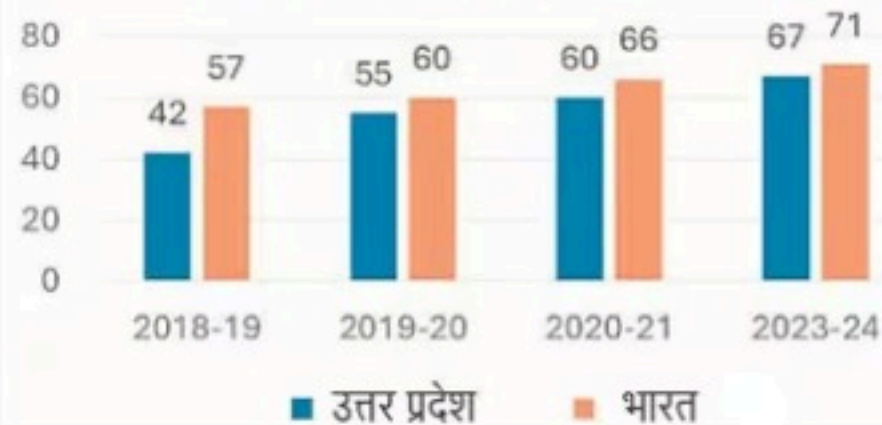
लखनऊ, विशेष संवाददाता। नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) इंडिया इंडेक्स 2023-24 में उत्तर प्रदेश कुल 67 का स्कोर प्राप्त करके फ्रंट्रनर श्रेणी में शामिल हो गया है।

सतत विकास के लक्ष्यों पर देश और राज्यों की प्रगति को मापने के लिए शुरू किए गए इस इंडेक्स के चौथे संस्करण में उत्तर प्रदेश ने अपने पिछले स्कोर में 7 अंकों का इजाफा किया है। इन 7 अंकों के इजाफे के साथ ही उत्तर प्रदेश 2020-21 में परफॉर्मर की श्रेणी में था। यही नहीं राज्यों की ओवरऑल रैंकिंग में भी सुधार करते हुए उत्तर प्रदेश ने इस साल के संस्करण में

22वें से 18वें स्थान की छलांग लगाई है।

सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा में शीर्ष पर उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश राज्य के समग्र स्कोर में भी सुधार हुआ है और भारत के समग्र स्कोर 71 से मात्र 4 अंक नीचे है। एसडीजी 7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा) सूचकांक में उत्तर प्रदेश सभी राज्यों में शीर्ष पर है। इस सूचकांक में उत्तर प्रदेश को अचीवर स्टेट के रूप में चिह्नित किया गया है, जहां उसने 100 में 100 का स्कोर किया है। इसके अलावा, 6 लक्ष्यों में उत्तर प्रदेश फ्रंट्रनर है। स्वच्छ जल एवं स्वच्छता के लक्ष्य में उसने 92, असमानता में कमी में 66, सतत

वर्ष 2018-19 से लगातार बढ़ता रहा यूपी



18

वें स्थान पर आ गया है यूपी, पहले 22 वां था

शहर और समुदाय में 82, सतत खपत और उत्पादन में 85, जीवन और भूमि में 70 और शांति, न्याय एवं मजबूत संस्थान में 77 का स्कोर हासिल किया है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश 7 गोल में परफॉर्मर और 1 गोल में एस्पिरेंट

श्रेणी में शामिल है। एसडीजी 7 में उत्तर प्रदेश को पहला स्थान 100 प्रतिशत घरों में बिजली पहुंचाने (अप्रैल 2024 तक) और घरों की संख्या के मुकाबले एलपीजी + पीएनजी कनेक्शन देने के लिए प्राप्त किया है।